समृद्धि, वैभव, संपन्नता

BUSINESS TIMES

13 फरवरी 2000 नवभारत टाइम्स, नई दिल्ली

पांच शेयर बाजारों के शीर्ष दलालों पर सेबी ने मार्जिन लगाने को कहा

मुम्बई (इटा): शेयर बाजारों की तेजी पर लगाम कसने और उस पर अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए सेबी ने देश के पांच स्टॉक एक्सचेंजों को कहा है कि वे अपने एक्सचेंज के शीर्ष 25 दलालों पर तदर्थ मार्जिन लगाएं। सेबी के इस कदम का शुक्रवार की शाम असर दिखाई दिया जब कलकत्ता में कर्ब कारोबार में सत्यम कम्प्यूटर और आईटीसी जैसे शेयर गिर गए।

जिन पांच शेयर बाजारों से बातचीत की गई, वे हैं— बीएसई, एनएसई, सीएसई, डीएसई और अहमदाबाद स्टॉक एक्सचेंज। सेबी ने इन एक्सचेंजों से कहा है कि वे और सतर्क रहें तथा अतिरिक्त ठोस कदम उठाएं। उनसे यह भी कहा गया है कि वे दलालों पर आवश्यकतानुसार कार्रवाई भी करें। जिन दलालों ने बड़ी खरीदारी कर रखी है उनसे सौदे निबटाने या फिर तत्काल भुगतान करने को कहा जाए। सेबी ने कहा है कि ऐसे दलालों पर तदर्थ मार्जिन स्टॉक एक्सचेंज लगाएं। एक्सचेंजों को शेयरों के हिसाब से भी कदम उठाने को कहा गया है। सेबी ने शेयर बाजारों को निर्देश दिया है कि वे अपने शीर्ष 25 दलालों से नकद या एफडीआर के रूप में अतिरिक्त पूंजी या मार्जिन ले लें।

सेबी ने कहा है कि एक्सचेंज कारोबारी सत्र के तीसरे दिन 25 शीर्ष दलालों का चुनाव करें। बैंक गारंटी का नहीं इस्तेमाल किया हुआ हिस्सा और इन दलालों द्वारा दी गई सिक्योरिटी मार्जिन में काम नहीं आएगी। बाजार के जानकारों का कहना है कि सेबी के इन कदमों का बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ेगा।

एक शीर्ष दलाल का कहना है कि सेबी वित्त मंत्रालय के इशारे पर चल रहा है जो चाहता है कि शेयर बाजार बजट के पहले गिर जाए।

सेबी ने सोमवार को प्रमुख शेयर बाजारों की एक बैठक भी बुलाई है जिसमें सुरक्षा उपायों की समीक्षा की जाएगी। वह आरंभ से ही शेयर बाजारों की तेजी को संदेह की दृष्टि से देख रही है।

शेयरों की तेजी से सतर्क रहने की सलाह

नई दिल्ली (वाप्र): इंडियन इंस्टीट्यूट आफ फाइनेंस के निदेशक जे.डी. अग्रवाल ने चेतावनी दी है कि शेयर बाजार की मौजूदा तूफानी तेजी पर नजर रखी जानी चाहिए। उन्होंने कहा है कि पिछले छह सप्ताह में अर्थव्यवस्था में ऐसा कुछ नहीं हुआ है कि शेयर सूचकांक एक हजार अंक उछल जाए।

संस्थान की विज्ञप्ति में कहा गया है कि एक तरफ तो वित्तमंत्री सख्त बजट और गंभीर आर्थिक दशा की बात कर रहे हैं और दूसरी ओर येयर सूचकांक उछल रहा है। यह विरोधाभासी स्थिति या तो इनसाइडर ट्रेडिंग की वजह से है या फिर बजट प्रस्ताव लीक हो जाने के कारण होनेवाली सट्टेबाजी के कारण। सेबी और स्टाक एक्सचेंजों को इस बात का ख्याल रखना होगा कि कहीं शेयर बाजार एक और घोटाले की तरफ न बढ़ चले।